bharatkhand

न्यूज़लेटर

भरतखंड किसान उत्पादक कंपनी लिमिटेड कंसोर्टियम

सितंबर 2026

सहयोगी संस्था Solidaridad

संपादकीय संदेश

bharatkhand

भरतखंड न्यूज़लेटर के अन्य संस्करण में आपका स्वागत है।

यह माह हमारे लिए विशेष है, क्योंकि हम किसानों और उद्योग जगत के बीच बढ़ते सहयोग को देख रहे हैं। यह सहयोग कृषि मूल्य श्रृंखला में नए अवसरों का निरंतर निर्माण कर रहा है।

इस यात्रा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि VIPPY Industries Limited की ओर से छोटे किसानों के समर्थन में उनकी प्रतिबद्धता है। कंपनी ने 2026–27 के दौरान FPOs के माध्यम से लगभग 25,000 मीट्रिक टन (MT) पुनर्योजी कृषि पद्धतियों से उत्पादित सोयाबीन की सीधे खरीद का संकल्प लिया है। यह प्रतिबद्धता उन किसानों के लिए मजबूत बाजार संपर्क स्थापित करने की दिशा में एक उत्साहजनक कदम है, जो पुनर्योजी कृषि पद्धतियों को अपना रहे हैं और अधिक जिम्मेदार एवं टिकाऊ कृषि प्रणालियों की ओर बढ़ रहे हैं।

इस खरीफ सीजन ने मध्य प्रदेश और राजस्थान के सोयाबीन एवं मूंगफली किसानों के बीच नई उम्मीद जगाई है। सॉल्वेंट एक्सट्रैक्टर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (SEA) के सहयोग से संचालित वेजिटेबल ऑयल मिशन के अंतर्गत हमारे कार्यों से किसानों को खेतों में उत्साहजनक परिणाम देखने को मिल रहे हैं। सोयाबीन की अच्छी तरह भरी फलियाँ और स्वस्थ मूंगफली की फलियाँ बेहतर कृषि पद्धतियों तथा उत्पादकता बढ़ाने के लिए किसानों के प्रयासों को दर्शाती हैं।

हमारे FPOs भी महत्वपूर्ण उपलब्धियाँ हासिल कर रहे हैं। धृति FPO ने अपने बीज कार्यक्रम के अंतर्गत 30 किसानों को शामिल करते हुए 2,720 क्विंटल गेहूँ का बीज सफलतापूर्वक उपार्जन किया है। इस तरह की पहल दर्शाती है कि FPOs किस प्रकार किसान-नेतृत्व वाले उद्यमिता विकास, गुणवत्तापूर्ण कृषि इनपुट तक पहुँच और सामूहिक विकास को सक्षम बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।

इस संस्करण में किसान, उद्यमों और बढ़ती साझेदारियों की कई अन्य कहानियाँ भी शामिल हैं, जिन्हें भरतखंड ने समय के साथ पोषित किया है।

किसानों का बढ़ता विश्वास, मजबूत FPOs और उद्योग जगत के साझेदारों के साथ बढ़ता जुड़ाव दीर्घकालिक विकास एवं प्रभाव की मजबूत नींव तैयार कर रहे हैं।

हमें आशा है कि आपको यह संस्करण पढ़ने में उतना ही आनंद आएगा, जितना हमें इन कहानियों को एक साथ प्रस्तुत करने में आया।
सादर

डॉ सुरेश मोटवानी
महाप्रबंधक, सॉलिडरीडाड

धृति महिला FPO के सम्मेलन से किसानों में मजबूत हुई सामूहिकता

धृति महिला फार्मर्स प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड (FPO) द्वारा सिरोलिया गांव में किसान सम्मेलन आयोजित किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में FPO सदस्यों और किसानों ने भाग लिया। सम्मेलन का उद्देश्य कृषि को अधिक लाभदायक, लचीला और बाजार-उन्मुख बनाने के लिए सामूहिक प्रयासों को मजबूत करना तथा FPO के माध्यम से किसानों की अधिक भागीदारी को बढ़ावा देना था।

सत्र में किसानों को धृति महिला FPO की गतिविधियों और लाभों के साथ-साथ इसके बीज उत्पादन कार्यक्रम, प्राकृतिक खेती और पुनर्योजी कृषि पद्धतियों से परिचित कराया गया। चर्चाओं में किसानों के सामने आने वाली प्रमुख चुनौतियों पर भी ध्यान केंद्रित किया गया और सामूहिक कार्रवाई के माध्यम से व्यावहारिक समाधान तलाशे गए।

सोयाबीन और गेहूं की खेती में प्रमुख चुनौतियों का समाधान

किसानों ने सोयाबीन और गेहूं की खेती को प्रभावित करने वाले मुद्दों पर अपने अनुभव और विचार सक्रिय रूप से साझा किए। इनमें बढ़ती लागत, कीट एवं रोग प्रबंधन, मृदा स्वास्थ्य, कृषि उपज का उचित मूल्य और बेहतर बाजार पहुंच जैसे विषय शामिल थे।

चर्चाओं में इन चुनौतियों से निपटने और कृषि मूल्य श्रृंखला में बेहतर अवसर पैदा करने के लिए FPO के माध्यम से किसानों की सामूहिक क्षमता को मजबूत करने के महत्व को रेखांकित किया गया।

बीज उत्पादन और सामूहिक विपणन को बढ़ावा

सम्मेलन का एक प्रमुख विषय FPO के माध्यम से गुणवत्तापूर्ण बीज उत्पादन और सामूहिक विपणन रहा। किसानों ने गुणवत्तापूर्ण सोयाबीन और गेहूं के बीजों के उत्पादन तथा FPO के माध्यम से सामूहिक रूप से अपनी उपज का विपणन करने के अवसरों पर चर्चा की।

वर्ष 2025-26 के लिए धृति FPO ने 30 किसानों के साथ 172 हेक्टेयर भूमि में गेहूं बीज उत्पादन का कार्य किया है। कुल 2720 क्विंटल बीज उत्पादन प्राप्त हुआ।

डिजिटल कृषि को जलवायु-स्मार्ट खेती से जोड़ने की दिशा में पहल

मध्य प्रदेश में किसान-केंद्रित डिजिटल सलाहकारी सेवाओं को मजबूत करने पर हितधारकों ने किया विचार-विमर्श

जैसे-जैसे मौसम में परिवर्तनशीलता और जलवायु संबंधी जोखिम खेती को प्रभावित कर रहे हैं, समय पर और विश्वसनीय कृषि सलाह किसानों को फसल, सिंचाई, कीट प्रबंधन और अन्य कृषि पद्धतियों से जुड़े बेहतर निर्णय लेने में मदद कर सकती है। इस आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए ICARDA और भरतखंड कंसोर्टियम ने Solidaridad के सहयोग से भोपाल में "Scaling Digital Agricultural Advisory Services and Climate-Smart Agriculture in Madhya Pradesh" विषय पर हितधारक परामर्श कार्यशाला का आयोजन किया।

इस परामर्श में शासकीय विभागों, अनुसंधान संस्थानों, विकास संगठनों, किसान उत्पादक संगठनों (FPOs) और अन्य हितधारकों ने भाग लिया। इसका उद्देश्य यह समझना था कि डिजिटल तकनीकों को कृषि विस्तार सेवाओं और जलवायु अनुकूलन प्रयासों से बेहतर तरीके से कैसे जोड़ा जा सकता है।

► सूचना से कार्रवाई तक

परामर्श से सामने आया एक प्रमुख संदेश यह था कि मौसम और जलवायु संबंधी जानकारी केवल पूर्वानुमान तक सीमित नहीं रहनी चाहिए, बल्कि इसे सरल, समय पर उपलब्ध और खेत स्तर पर उपयोगी सलाह में परिवर्तित किया जाना चाहिए। Artificial Intelligence प्रारंभिक चेतावनी प्रणाली, रिमोट सेंसिंग, GIS, सेंसर और निर्णय-सहायता उपकरण जैसी तकनीकें फसल प्रबंधन, कीट एवं रोग जोखिम, सिंचाई, मृदा की स्थिति और अन्य कृषि संबंधी निर्णयों के बारे में अधिक प्रासंगिक जानकारी उपलब्ध कराने में मदद कर सकती हैं।

प्रतिभागियों ने इस बात पर जोर दिया कि केवल तकनीक से प्रभाव पैदा नहीं किया जा सकता। डिजिटल सलाहकारी सेवाओं को किसान-केंद्रित, स्थानीय आवश्यकताओं के अनुरूप, सुलभ और मौजूदा कृषि विस्तार प्रणालियों के साथ एकीकृत होना आवश्यक है, ताकि छोटे और सीमांत किसानों तक प्रभावी रूप से पहुंच बनाई जा सके।

► मौजूदा पहलों को जोड़ना

मध्य प्रदेश में डिजिटल कृषि, मौसम संबंधी जानकारी, कृषि विस्तार और जलवायु अनुकूलन पर पहले से कई पहलें कार्य कर रही हैं। कार्यशाला में इन पहलों के बीच बेहतर समन्वय, डेटा साझा करने और ज्ञान के आदान-प्रदान की आवश्यकता पर प्रकाश डाला गया।

सरकार, अनुसंधान संस्थानों, FPOs, विकास संगठनों और निजी क्षेत्र के हितधारकों को एक साथ लाने से एक अधिक जुड़ी हुई प्रणाली विकसित करने और कृषि सलाह की अंतिम छोर तक पहुंच को मजबूत करने में मदद मिल सकती है।

परामर्श में यह भी स्पष्ट किया गया कि डिजिटल जलवायु-स्मार्ट कृषि को केवल एक तकनीकी हस्तक्षेप के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए, बल्कि इसे एक सहयोगात्मक पारिस्थितिकी तंत्र के रूप में विकसित किया जाना चाहिए, जिसमें किसान केंद्र में हों।

फ्रंटलाइन प्रदर्शन खेत से सोयाबीन उत्पादकता और किसानों की आय को बढ़ावा
भरतखंड और SOPA वैज्ञानिक कृषि पद्धतियों को मध्य प्रदेश के सोयाबीन किसानों तक पहुँचा रहे हैं

सोयाबीन की उत्पादकता बढ़ाना, खेती की लागत कम करना और किसानों की आय में वृद्धि करना SOPA और भरतखंड की एक सहयोगात्मक पहल का मुख्य उद्देश्य है, जिसे UPL का सहयोग प्राप्त है।

इस पहल के तहत मध्य प्रदेश में 250 फ्रंटलाइन सोयाबीन प्रदर्शनियां स्थापित की गई हैं, ताकि किसान वास्तविक खेत परिस्थितियों में वैज्ञानिक रूप से अनुशंसित फसल प्रबंधन पद्धतियों को समझ और अपना सकें। इन प्रदर्शनियों में बेहतर कृषि पद्धतियां, समय पर फसल प्रबंधन, मौसम आधारित सलाह, कीट एवं रोग प्रबंधन तथा खेती की लागत कम करने के उपायों पर ध्यान केंद्रित किया गया है।

इन पहलों को केवल प्रदर्शन प्लॉट तक सीमित रखने के बजाय, किसानों के लिए व्यावहारिक सीखने के मंच के रूप में विकसित करने का प्रयास किया जा रहा है, जहां वे खेत में बेहतर पद्धतियों को देख सकें, तकनीकी विशेषज्ञों से संवाद कर सकें और अपनी आवश्यकताओं के अनुसार इन सिफारिशों को अपने खेतों में लागू कर सकें।

KVK देवास में किसान कार्यक्रम

इस पहल के तहत 26 अगस्त को कृषि विज्ञान केंद्र (KVK), देवास में एक किसान कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें लगभग 250 किसानों ने भाग लिया। UPL के सहयोग से आयोजित इस कार्यक्रम में किसानों के साथ तकनीकी संवाद और निःशुल्क फसल सुरक्षा किट का वितरण शामिल था।

कार्यक्रम को डॉ. आर. पी. शर्मा, प्रमुख, KVK देवास; डी. एन. पाठक, कार्यकारी निदेशक, SOPA; डॉ. सुरेश मोटवानी, कार्यक्रम प्रमुख, Vegetable Oil Programme, Solidaridad; सुश्री रूबी, UPL तथा श्री प्रशांत बानी, SBU Head, UPL ने संबोधित किया।

विशेषज्ञों ने सोयाबीन की उत्पादकता और कृषि से प्राप्त आय को बेहतर बनाने के लिए समय पर कृषि हस्तक्षेप, संतुलित पोषक तत्व प्रबंधन, प्रभावी कीट एवं रोग प्रबंधन तथा अनुशंसित फसल पद्धतियों के पालन के महत्व पर प्रकाश डाला।

इन फ्रंटलाइन प्रदर्शनियों के माध्यम से SOPA और भरतखंड वैज्ञानिक ज्ञान, खेत-आधारित सीख और समय पर सलाह को किसानों के नजदीक ला रहे हैं। इसका व्यापक उद्देश्य मध्य प्रदेश में सोयाबीन उत्पादन प्रणालियों को मजबूत करना, खेती की लागत कम करना और किसानों की आय बढ़ाना है।

यह पहल बेहतर सोयाबीन उत्पादन पद्धतियों को व्यापक स्तर पर अपनाने और अधिक लाभदायक कृषि अवसर तैयार करने के लिए सहयोगात्मक, किसान-केंद्रित और विज्ञान-आधारित दृष्टिकोण को दर्शाती है।

प्रदर्शन से प्रभाव तक: भारत की तिलहन उत्पादकता को मजबूत करने की पहल

भरतखंड, SEA और Solidaridad, मॉडेल खेत के जरिए वैज्ञानिक कृषि पद्धतियों को किसानों के खेतों तक पहुँचा रहे हैं

जब किसान अपने जैसे खेतों में बेहतर कृषि पद्धतियों के परिणामों को अपनी आँखों से देखते हैं, तो सीखने के साथ-साथ उनका भरोसा भी बढ़ता है। झालावाड़ का अनुभव बताता है कि खेत-आधारित सीख किसानों को बेहतर फसल प्रबंधन अपनाने के लिए प्रेरित कर सकती है और अधिक उत्पादकता तथा लाभप्रदता की दिशा में आगे बढ़ने का रास्ता खोल सकती है।

The Solvent Extractors' Association of India (SEA), Solidaridad और भरतखंड की संयुक्त Vegetable Oil Mission के तहत, AWL Limited के सहयोग से प्रमुख तिलहन उत्पादक क्षेत्रों में फ्रंटलाइन प्रदर्शनियाँ और Model Farms स्थापित किए गए हैं। वर्तमान में लगभग 450 सोयाबीन और मूंगफली प्रदर्शनियाँ संचालित की जा रही हैं इनमें लगभग 200 झालावाड़, राजस्थान में और 250 मंदसौर, नीमच तथा कार्यक्रम के अन्य जिलों में हैं।

Model Farm दृष्टिकोण में गुणवत्तापूर्ण बीज, बेहतर कृषि विज्ञान, संतुलित पोषक तत्व प्रबंधन, इनपुट का जिम्मेदार उपयोग, समय पर कृषि कार्य, पौध संरक्षण, मृदा स्वास्थ्य और किसान-से-किसान सीख को एक साथ जोड़ा गया है। इसका उद्देश्य केवल कृषि पद्धतियों का प्रदर्शन करना नहीं, बल्कि किसानों के लिए स्थानीय स्तर पर ऐसे सीखने के मंच तैयार करना है, जहाँ वे वास्तविक परिणामों को देख सकें, अनुभव साझा कर सकें और अपने खेतों के लिए उपयुक्त पद्धतियों को अधिक विश्वास के साथ अपना सकें।

खेतों से दिख रहे उत्साहजनक परिणाम

किसानों, वैज्ञानिकों, कृषि अधिकारियों और कार्यक्रम टीमों ने प्रदर्शन प्लॉट्स का दौरा कर किसानों के साथ सीधे संवाद किया और खेतों में फसल की स्थिति का जायजा लिया। किसानों ने पिछली फसल की तुलना में इस मौसम में फसल की बेहतर स्थिति और प्रबंधन में सुधार की जानकारी दी। सोयाबीन और मूंगफली की फसलें अधिक स्वस्थ और बेहतर विकसित दिखाई दे रही हैं।

कई किसानों के शुरुआती आकलन के अनुसार, मौसम और अंतिम कटाई की परिस्थितियाँ अनुकूल रहने पर सोयाबीन की उपज लगभग 2,000 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर या उससे अधिक, जबकि मूंगफली की उपज 2,500 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर से अधिक रह सकती है।

किसानों ने यह भी साझा किया कि गुणवत्तापूर्ण बीज का उपयोग, इनपुट का विवेकपूर्ण प्रबंधन और समय पर किए गए कृषि कार्यों ने अतिरिक्त लागत बढ़ाए बिना फसल के प्रदर्शन को बेहतर बनाने में मदद की।
खेतों से सामने आ रहे ये शुरुआती अनुभव एक महत्वपूर्ण संदेश देते हैं उत्पादकता का अंतर कम करने के लिए हमेशा अधिक इनपुट की जरूरत नहीं होती। जरूरत है सही इनपुट को, सही समय और सही मात्रा में इस्तेमाल करने की। यही सीख Model Farms और फ्रंटलाइन प्रदर्शनों को किसानों के लिए एक प्रभावी सीखने का मंच बनाती है।

पुनर्योजी सोयाबीन को बाजार से बढ़ावा: Vippy Industries की 25,000 MT खरीद प्रतिबद्धता

Vippy Industries Limited ने पुनर्योजी कृषि, मजबूत किसान उत्पादक संगठनों (FPOs) और पारदर्शी, बाजार-आधारित मूल्य श्रृंखलाओं के माध्यम से छोटे किसान परिवारों की आजीविका और लचीलापन मजबूत करने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई है।

VIPPY INDUSTRIES LTD.

इस प्रतिबद्धता के तहत Vippy ने Solidaridad और भरतखंड कंसोर्टियम के साथ साझेदारी की है, ताकि पुनर्योजी सोयाबीन उत्पादन और बाजार संपर्क को आगे बढ़ाया जा सके। कंपनी NARVOS Platform की भी सक्रिय सदस्य है, जो पुनर्योजी वनस्पति तेल मूल्य श्रृंखलाओं को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न हितधारकों को एक साथ लाता है।

2026-27 के लिए Vippy Industries FPOs के माध्यम से लगभग 25,000 मीट्रिक टन (MT) पुनर्योजी सोयाबीन की सीधे खरीद का समर्थन करेगी। इस कदम का उद्देश्य किसानों की बाजार पहुंच को मजबूत करना, पुनर्योजी कृषि पद्धतियों को व्यापक स्तर पर अपनाने को प्रोत्साहित करना और संगठित किसान समूहों के माध्यम से प्रतिस्पर्धी तथा पारदर्शी मूल्य सुनिश्चित करना है।

Vippy अपनी खरीद रणनीति में पुनर्योजी सोयाबीन की हिस्सेदारी को लगातार बढ़ाने का लक्ष्य रखती है और ऐसी पहलों का समर्थन करती रहेगी जो किसानों की भागीदारी बढ़ाएं तथा पुनर्योजी खेती के लिए दीर्घकालिक व्यावसायिक प्रोत्साहन तैयार करें।

कंपनी ने अपनी सार्वजनिक प्रतिबद्धता पत्र में कहा, “किसानों, FPOs, नागरिक समाज संगठनों और उद्योग के बीच सहयोग एक ऐसी लचीली, टिकाऊ और जलवायु-स्मार्ट सोयाबीन आपूर्ति श्रृंखला बनाने के लिए आवश्यक है, जो उत्पादकों और उपभोक्ताओं दोनों को लाभ पहुंचाए तथा पुनर्योजी कृषि की दिशा में बदलाव को गति दे।”

प्रभाव की कहानी

bharatkhand

किसान से जैविक इनपुट उद्यमी तक

खेती के अनुभव को बनाया आय का जरिया: भरतखंड से जुड़ी महिला किसान की उद्यमिता की कहानी
तीन महीनों में बायो-इनपुट की रु. 8,600 की बिक्री

उद्यमिता की पहल

छोटे किसानों के लिए बेहतर उपज महत्वपूर्ण है, लेकिन बदलाव की कहानी यहीं खत्म नहीं होती। असली बदलाव तब दिखता है, जब खेती से हासिल ज्ञान और कौशल आय के नए अवसरों में बदलने लगते हैं। उज्जैन के खाजूखेड़ी गाँव की किसान संगीता मालवीय इस बदलाव की एक प्रेरक मिसाल हैं।

कक्षा 8 तक शिक्षित और पाँच सदस्यीय परिवार की सदस्य संगीता तीन बीघा भूमि पर सोयाबीन, गेहूं और सब्जियों की खेती करती हैं। पिछले तीन वर्षों से वह भरतखंड पहल से जुड़ी हैं। हालांकि, उनके लिए एक नया अवसर तब खुला, जब उनका जुड़ाव अपने गाँव के Bio-input Resource Centre (BRC) से हुआ।

यह जुड़ाव उनके लिए केवल बेहतर कृषि पद्धतियाँ सीखने का माध्यम नहीं रहा। उन्होंने जैव-इनपुट तैयार करने और उनके उपयोग का व्यावहारिक ज्ञान हासिल किया और धीरे-धीरे इसी ज्ञान को एक छोटे उद्यम के रूप में विकसित करना शुरू किया। इस तरह खेत में सीखी गई जानकारी उनके लिए एक नए आय-स्रोत में बदलने लगी।

सीखने से निर्माता तक

BRC में संगीता ने उन संसाधनों से उपयोगी कृषि इनपुट तैयार करना सीखा, जिन तक उनकी पहले से पहुंच थी। उन्होंने कंडा टॉनिक और bio-input आधारित खाद तैयार की और इन्हें अपनी सोयाबीन तथा लहसुन की फसल पर इस्तेमाल किया। इसका परिणाम अच्छा रहा। इससे उनके मन में एक स्वाभाविक सवाल आया: अगर यह उनकी फसल के लिए काम कर सकता है, तो उनके पड़ोसियों के खेतों के लिए क्यों नहीं?

निर्माता से उद्यमी तक

संगीता ने मांग के अनुसार bio-input तैयार करना और स्थानीय स्तर पर बेचना शुरू किया। जून से अगस्त 2026 के बीच इस अतिरिक्त गतिविधि से उन्हें ₹8,600 की आय हुई।

माह	बेचा गया कंडा टॉनिक	बेची गई Bio-input खाद
जून	Rs. 1,700	Rs. 1,300
जुलाई	Rs. 2,400	Rs. 2,100
अगस्त	Rs. 1,100	—
कुल	**Rs. 5,200**	**Rs. 3,400**

यह राशि भले ही छोटी हो, लेकिन इसका महत्व बड़ा है। तीन महीनों में संगीता कृषि इनपुट की उपयोगकर्ता से उनकी निर्माता और स्थानीय विक्रेता बन गईं अपने ज्ञान के आधार पर खड़ा किया गया एक छोटा लेकिन वास्तविक व्यवसाय।

भरतखंड महिला किसानों को अपने खेत के ज्ञान को आय के नए स्रोत में बदलने में मदद कर रहा है सिर्फ तीन महीनों में जैव-इनपुट की बिक्री से रू. 8,600 की कमाई।

उद्यमी से सामुदायिक नेतृत्वकर्ता तक

संगीता की पहल अब उनके परिवार और अपने उद्यम तक सीमित नहीं है। Lead Woman Farmer के रूप में वह गांव की अन्य महिलाओं को bio-input तैयार करने और उनके उपयोग के बारे में प्रशिक्षण देती हैं। अपने अनुभव साझा करके वह दूसरी महिलाओं को भी इस कौशल को आजमाने और अपनी आय के नए अवसर तलाशने के लिए प्रोत्साहित करती हैं।

उनकी यात्रा दिखाती है कि गांव स्तर का Bio-input Resource Centre (BRC) केवल कृषि इनपुट उपलब्ध कराने का केंद्र नहीं, बल्कि सीखने, उद्यमिता और सामुदायिक नेतृत्व का मंच भी बन सकता है। सही अवसर और सहयोग मिलने पर किसान खेती से मिले ज्ञान को केवल अपने खेत तक सीमित नहीं रखते वे उसे उत्पाद, आय और स्थानीय उद्यम में बदलकर दूसरों के लिए भी अवसर पैदा कर सकते हैं।

छोटी शुरुआत, बड़ी संभावनाएँ

रू. 8,600 की बिक्री एक शुरुआत है, अंतिम सीमा नहीं। इस पहल की असली उपलब्धि उस सोच में बदलाव में है, जो एक किसान को केवल कृषि इनपुट खरीदने वाले व्यक्ति से आगे बढ़ाकर इनपुट तैयार करने, बेचने और उससे आय अर्जित करने वाले उद्यमी के रूप में देखती है।

यही वह उद्यमिता मॉडल है, जिसे भरतखंड बढ़ावा दे रहा है जहाँ कृषि संबंधी ज्ञान केवल खेत की उत्पादकता तक सीमित नहीं रहता, बल्कि आजीविका, छोटे उद्यम और स्थानीय आर्थिक अवसरों में बदलता है।

संगीता का अनुभव बताता है कि सही ज्ञान, व्यावहारिक कौशल और उपयुक्त मंच मिलने पर एक छोटी शुरुआत भी बड़े बदलाव की नींव बन सकती है। जब किसान ज्ञान को आय में और आय को अवसरों में बदलने लगते हैं, तभी ग्रामीण अर्थव्यवस्था में बदलाव की असली शुरुआत होती है।

हमारे FPO को जानें

bharatkhand

कृषि जगत प्रणाली Watershed Farmer Producer Company
मोहन बड़ोदिया ब्लॉक, शाजापुर

स्थापना: 21 जुलाई 2023

राजीव गांधी वाटरशेड मिशन (RGMW) द्वारा प्रोत्साहित और जुलाई 2023 में पंजीकृत, कृषि जगत प्रणाली Watershed Farmer Producer Company शाजापुर जिले के मोहन बड़ोदिया ब्लॉक में छोटे और सीमांत किसानों के सामूहिकीकरण को बढ़ावा देने, संस्थागत क्षमता को मजबूत करने और किसानों की आय बढ़ाने के लिए कार्य कर रही है।

अर्ध-शुष्क तथा मिश्रित वर्षा-आधारित और सिंचित क्षेत्र में कार्यरत यह FPO कम समय में केवल उपज के एकत्रीकरण से आगे बढ़कर अपनी प्रसंस्करण और इनपुट उत्पादन संबंधी बुनियादी संरचना विकसित करने में सफल हुई है।

एक नजर में

- **पंजीकरण:** 21 जुलाई 2023
- **कार्य क्षेत्र:** मोहन बड़ोदिया ब्लॉक, शाजापुर और आसपास का क्षेत्र
- **शेयरधारक:** 334
- **महिला सदस्य:** 134 (कुल सदस्यता का लगभग 40%)
- **छोटे एवं सीमांत किसान:** लगभग 60%
- **वार्षिक टर्नओवर (FY 2024–25):** ₹18 लाख, जिसमें ₹1.36 लाख का लाभ शामिल है
- **प्रमुख फसलें:** सोयाबीन और गेहूं

🌎KRASHI JAGAT PRANALI WATERSHED FARMER PRODUCER COMPANY LIMITED 🌎

FPO क्या करता है

- सोयाबीन और गेहूं के प्रमाणित बीजों का उत्पादन
- अपनी मिलिंग यूनिट के माध्यम से आटा प्रसंस्करण
- Solidaridad के साथ साझेदारी में बाजार संपर्क और तकनीकी मार्गदर्शन
- जैव-उर्वरकों और जैविक इनपुट का उत्पादन तथा स्थानीय स्तर पर विपणन
- पशु आहार का उत्पादन और प्रसंस्करण
- टिकाऊ और कम-रसायन वाली कृषि पद्धतियों को बढ़ावा देना

विविध व्यवसायों के माध्यम से मजबूत होती संस्था

गठन के केवल दो वर्षों के भीतर FPO ने दो सक्रिय व्यावसायिक क्षेत्रों में प्रमाणित बीज उत्पादन और bio-input उत्पादन की स्थापना की है। इसके साथ ही आटा निर्माण इकाई और पशु आहार इकाई जैसी प्रसंस्करण सुविधाएं भी विकसित की गई हैं, जिनका प्रबंधन सीधे निदेशक मंडल द्वारा किया जाता है।

इस शुरुआती विविधीकरण से FPO को FY 2024–25 में रू. 18 लाख का टर्नओवर और रू.1.36 लाख का लाभ प्राप्त करने में मदद मिली है। यह शुरुआती स्तर पर इसकी व्यावसायिक व्यवहार्यता को दर्शाता है। संगठन की एक उल्लेखनीय विशेषता लैंगिक समावेशन है। इसके 334 सदस्यों में से 134, यानी लगभग 40%, महिलाएं हैं, जो शासन और व्यवसाय में महिलाओं की सार्थक भागीदारी के प्रति इसकी प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

सतत कृषि को बढ़ावा

व्यवसाय के विकास के साथ-साथ FPO ऐसी पद्धतियों को भी सक्रिय रूप से बढ़ावा देता है जो मृदा स्वास्थ्य में सुधार और उत्पादन लागत को कम करने में मदद करती हैं। प्रमुख हस्तक्षेपों में शामिल हैं:

- FPO की अपनी bio-input उत्पादन इकाई के माध्यम से bio-inputs और जैविक उर्वरकों को बढ़ावा देना, जिससे सदस्य किसानों की रासायनिक इनपुट पर निर्भरता कम हो
- मृदा स्वास्थ्य प्रबंधन, संतुलित पोषण और टिकाऊ फसल पद्धतियों पर जागरूकता सत्र आयोजित करना
- जैव-उर्वरकों और जैविक इनपुट का स्थानीय स्तर पर विपणन करना, जिससे पुनर्योजी इनपुट किसानों के लिए सुलभ और किफायती बन सकें
- प्रमाणित बीज उत्पादन को बढ़ावा देना, जिससे गुणवत्तापूर्ण बीजों के उपयोग, इनपुट की बर्बादी कम करने और फसल प्रदर्शन में सुधार को समर्थन मिले
- bio-input उत्पादन का विस्तार करने और नई उत्पाद श्रृंखला के रूप में वर्मी कम्पोस्ट शुरू करने की योजना

प्रमुख उपलब्धियां

संरचना और समावेशिता

334
किसान शेयरधारक एक सशक्त उत्पादक संगठन के माध्यम से जुड़े हुए हैं,

40%
महिला सदस्यता

वित्तीय प्रदर्शन

Rs. 18 लाख
लाभ के साथ व्यापार

Rs. 1.36 लाख
वित्तीय वर्ष 2024-25 में, यह उपलब्धि पंजीकरण के दो वर्षों के भीतर प्राप्त की गई।

प्रसंस्करण अवसंरचना

दो प्रसंस्करण इकाइयाँ: आटा (मैदा) और पशु चारा, जिनका संचालन और प्रबंधन निदेशक मंडल द्वारा किया जाता है।

CERTIFIED

प्रमाणित बीज

सोयाबीन और गेहूं के लिए सक्रिय प्रमाणित बीज उत्पादन कार्यक्रम

जैविक आदान-प्रदान

स्थानीय स्तर पर जैव-उर्वरक और जैविक इनपुट उपलब्ध कराने वाली स्थापित bio-input उत्पादन इकाई

साझेदारी

Solidaridad के साथ साझेदारी के माध्यम से मजबूत बाजार संपर्क और तकनीकी सहयोग

Solidaridad

bharatkhand

आगामी योजना

अगले कुछ वर्षों में FPO अपनी मूल्य श्रृंखलाओं को मजबूत करने और एक टिकाऊ, लाभदायक तथा किसान-स्वामित्व वाला संगठन बनने का लक्ष्य रखता है:

- भरतखंड समर्थित चैनलों से आगे बढ़कर औपचारिक खरीदार नेटवर्क और उद्योग से जुड़ाव स्थापित करना
- संचालन का विस्तार करने के लिए संस्थागत ऋण और अनुदान सहायता प्राप्त करना
- बाजार पहुंच और मूल्य खोज को बेहतर बनाने के लिए e-NAM और ONDC प्लेटफॉर्म से जुड़ना
- bio-input उत्पादन का विस्तार करना और नई उत्पाद श्रृंखला के रूप में वर्मी कम्पोस्ट को शामिल करना
- सोयाबीन, गेहूं और प्याज तथा लहसुन जैसी उभरती बागवानी फसलों के लिए सीधे बाजार संपर्क को मजबूत करना
- बेहतर शासन व्यवस्था और कर्मचारियों की संख्या बढ़ाकर संस्थागत क्षमता को मजबूत करना

Contacts

Bharatkhand Hub Zonal Offices

Bharatkhand Consortium of Farmers Producer Company Limited.
D/67, BDA Colony, Kohefiza, Bhopal,
Madhya Pradesh - 462001

Mr. Himanshu Bains
+91 9009923816
Ms. Anvesha Singh
+91 9406779242

H.N- 619, Near Nalanda School, Chanakyapuri
Sehore Madhya Pradesh 466001

Ms. Namrita Bhanweriya
+91 9644195248

HIG-17, Gandhi Nagar,
Mandsaur Madhya Pradesh- 458001

Mr. Arvind Patidar
+91 7566652686

Bharatkhand Hub
48, Ram Nagar, Dewas Madhya Pradesh- 455001

Ms. Purva Wadwekar
+91 9171251979

H.No. 30 Krishna Kunj Vihar Colony Rupakhedi Road
Tarana, Ujjain, Madhya Pradesh- 456665

Mr. Sandeep Mishra
+91 9450707018

bharatkhand.net